



Hargharpanditji

॥ श्री ब्रह्मा जी के प्रमुख मंत्र ॥
जय जय कमलासन स्वामी

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री ब्रह्मा जी के प्रमुख मंत्र ॥

१. ब्रह्मा मूल मंत्र

ॐ ब्रह्मणे नमः॥

यह भगवान ब्रह्मा का सरल और अत्यन्त प्रभावशाली मंत्र माना जाता है।

२. ब्रह्मा गायत्री मंत्र

ॐ चतुरमुखाय विद्महे

हंसारूढाय धीमहि ।

तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात्॥

यह मंत्र ज्ञान, बुद्धि और विद्या की प्राप्ति के लिए जपा जाता है।

३. ब्रह्मा बीज मंत्र

ॐ ऐं ब्रह्मणे नमः॥

विद्या, वाणी और ज्ञान वृद्धि हेतु यह मंत्र शुभ माना जाता है।

४. सृष्टिकर्ता ब्रह्मा मंत्र

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ब्रह्मणे नमः॥

यह मंत्र सुख, समृद्धि और मानसिक शान्ति के लिए जपा जाता है।

५. ब्रह्मा ध्यान मंत्र

चतुर्मुखं कमण्डलुधरं हंसवाहनसंस्थितम् ।

वेदवक्त्रं जगन्नाथं ब्रह्माणं प्रणमाम्यहम्॥

भगवान ब्रह्मा के ध्यान और पूजन के समय इस मंत्र का पाठ किया जाता है।

मंत्र जाप विधि

गुरुवार के दिन प्रातः स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

भगवान ब्रह्मा जी की प्रतिमा या चित्र के सामने दीपक जलाएं।

पीले पुष्प और चन्दन अर्पित करें।

कम से कम १०८ बार मंत्र जाप करें।

जाप के बाद ब्रह्मा जी की आरती करें।

॥ श्री ब्रह्मार्पणमस्तु ॥